भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1545

10 फरवरी, 2021 को उत्तर के लिए

सीमा अवसंरचना परियोजनाएं

1545. श्री खगेन मुर्मु :
श्रीमती चिंता अनुराधा :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के माध्यम से सीमा अवसंरचना परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा क्या पहलें की गई/की जाएंगी;

(ख) क्या रणनीतिक उद्देश्य के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एएलओसी) के समानांतर एक पार्श्विक लिंक सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है और यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या उपाय किए गए/किए जाएंगे;

(ग) किन क्षेत्रों में उक्त परियोजनाएं चल रही हैं; और

(घ) विशेषकर भारत-चीन सीमा के निकट सीमावर्ती सड़कों के निर्माण में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहें हैं?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) से (घ): सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के माध्यम से सीमा अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का उल्लेख निम्नानुसार हैः-

(i) बीआरओ की क्षमता में वृद्धि करने के लिए ईपीसी कांट्रैक्ट की अनुमति दी गई है।

(ii) बीआरओ के कार्यकारियों को संवर्धित वित्तीय और प्रशासनिक शक्तियां प्रदान की गई हैं।

(iii) मंत्रालय के अनुरोध के आधार पर बीआरओ से संबंधित मुद्दों का निराकरण करने के लिए सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों ने अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है।

संक्रियात्मक आवश्यकता के अनुसार पूरी उत्तरी सीमाओं पर पार्श्विक लिंक शुरू किए गए हैं।

भारत-चीन सीमा सहित सीमावर्ती सड़कों के शीघ्र निर्माण हेतु कार्यों की प्रगति की नियमित रूप से निगरानी शुरू की गई है।

*****